हिंदी भाषा खतरे में है इस पर क्या कुछ बीता बताऊंगी
हिंदी भाषा खतरे में है ।
शब्दकोष को तोड़ निचोड़ कर अदभुत कविताएँ बनाऊंगी
और फिर बताऊंगी भाषा पीछे छूट गई संसार की इस तेजी में
बातें सारे हिंदी होंगी टाइप करूंगी अंग्रेजी में
गूगल की इस मोड़ की मदद से सारे दाव पेज में सीख लूंगी
14 सितम्बर की भोर होते ही # हिंदी दिवस में लिख लूंगी
मेरी तरह कहीं मिलेंगें मेरी तरह बहुत होंगें
इस बात को सपोर्ट करने वाले
अरे हिंदी लिखिए और पढ़िए पूरे दिन पोस्ट करने वाले
प्रोफाइल बनी है अंग्रेजी में हिंदी हर जगह नदारद है।
और ज्ञान दे रहे हैं संसार को इतना कि जैसे हम ही पंडित और विषागद हैं
कि कवि खुद को कहकर क्या भाषा के साथ करते हैं।
औरों की कहानी क्या कहें हम खुद अपनी बात करते हैं।
कि वर्तनी शुद्ध से अशुद्ध हो गई मात्राओं का कोई ध्यान नहीं
तुकबंदी में बनी कविताएं छंद शास्त्र का हमें कोई ज्ञान नहीं
और छायावाद से प्रयोगवाद तक किसने
क्या लिखा क्या लिखा नहीं
न पढ़ी किसी की जीवनी हमनें और
किसी से कुछ सीखा नहीं
पर बच्चन साहब की बातें साझा करना हमें है पसंद
तीन सौ रुपए में पेंसिल खरीदी और
सौ रुपए किलो में प्रेमचंद
पर जिंदगी ने जो तजुर्बा दिया उस से बस एक बात समझती हूं कि हिंदी का वर्चस्व बड़े
इस उद्देश्य के आगे आए कोई कर्म नहीं कोई धर्म नहीं,
हिंदी दिवस तो उसे श्यन में है जब आपको हिंदी बोलने में आए कोई शर्म नहीं
कहां से हो किस जगह से हो इन बातों को कोई भांप न ले
हिंदी का सम्मान तो तब है जब इस भाषा से ही कोई आपकी हैसियत और औधे को नाप ना लें,
और अंग्रेजी ना बोल पाने की हिचक, कोई भय न हो ।
हिंदी को पढ़ाना सरकारी सिलेबस का बस एक विषय ना हो
क्योंकि हमारे बनाए दायरों में ही तो
भाषा सिमट कर रह जाती, बेबस है,
तभी तो कप कपाते हाथों से टाइप करते हैं न, कि आज हिंदी दिवस है।
हमने ना भाषा के मर्म को समझा न इसके हौसले को पहचाना है।
जो कहते हैं हिंदी खतरे में है हमें उन्हीं से हिंदी को बचाना है।

------ काजल कोतवाल

बहुत प्यारी मेरी मां है

मैंने सुना था कि धरती पर भगवान मौजूद है,
मैं यहाँ वहाँ ढूँढता रहा कि कहाँ उसका वजूद है।
ढूँढते हुए हर जगह भटका, मगर एक धड़क तक ना मिली,
घर के आंगन में झांका तो भगवान के रूप में, मुझे मेरी मां मिली।
बुरे काम पर पिटाई और अच्छे काम के लिए की ना कभी ना है,
खुद दुख सहकर मुझे सुख देने वाली, वो प्यारी मेरी मां है।
वह खुद जाके रो आती थी लेकिन आज तक मुझे रोने नहीं दिया,
खुद चाहे ना खाती लेकिन आज तक मुझे भूखा सोने नहीं दिया।
आफत आ जाती या कभी पैसों के मंदे होते थे,
मां मेरी बाहर नहीं जाने देती थी, अगर कभी मेरे कपड़े गंदे होते थे।
बुरे काम पर पिटाई और अच्छे काम के लिए की ना कभी ना है,
खुद दुख सहकर मुझे सुख देने वाली, वो प्यारी मेरी मां है।
सबका ख्याल रखके हजारों आशीर्वाद कमाए थे,
जब खिलौनों के लिए जिद की तब तूने वो पैसे दिए ,जो अपने लिए बचाए थे।
कभी अगर बीमार पड़ा तो मुझे सुलाकर सारी रात जागी,
तेरा यह ख्याल देख कर मेरी बीमारी धूम दबाकर भागी।
जब कहीं लगी या आफ़तें छाई है, सबसे पहले मां मुझे तेरी याद आई है।
तेरा प्यार इतना ज्यादा है कि भगवान के समान लगता है,
हजारों मंजिलें हुई लेकिन जब तूने गोद में उठाया, तो छुआ आसमान लगता है।
देख बुरी नज़र वाले तेरा मुँह यहां काला हो गया,
मेरी मां ने जब मेरी नज़र उतारी तो घर में उजाला हो गया।
बन जाऊं आइंस्टाईन लेकिन दिमाग का हमेशा कच्चा रहूंगा,
छूं लूं चाहे सात आसमान लेकिन मां तेरे लिए हमेशा बच्चा रहूंगा।
बुरे काम पर पिटाई और अच्छे काम पर की ना कभी ना है,
खुद दुख सहकर मुझे सुख देने वाली, वो प्यारी मेरी मां है।

------आदित्य दीप

मां

मां तुम हो ममता की मूरत,
स्नेह से भरी धीरज की सूरत।
तेरी बाहों में मिलता है सुकून,
जैसे शांत लहरों का ठंडा जुनून।
तेरी गोदी में सारी थकान मिट जाए,
तेरी लोरी से रातों में सुकून (से सो जाएं) मिल जाए।
बिना कहे ही सब कुछ समझ लेती,
तेरी निगाहें दिल के हर दर्द को बुनती।
मां तुम हो वह निस्वार्थ प्रेम,
जिसमें बसता है सारा जग, सारा क्षेम।
तेरी हंसी में बसी है दुनिया की रौनक,
तेरे आँचल में छिपी है सारी कायनात की झलक।
तुम्हारी सीखें है जीवन का आधार,
हर कदम पर तुमसे मिलती है राह।
तेरा प्यार अनमोल, तेरी ममता अमर,
मां, तुम हो जीवन की सबसे सुंदर रहबर।
हर दिन, हर पल तुमसे ही रोशन है,
मां, तेरा अस्तित्व ही हमारा स्व है।

------- वंशिका जंवाल

ऊँगली

ऊँगली वह उम्मीद है, जो
औरत थामती है
हाथ,
वह भरोसा है,
जो भरोसा करने के वक़्त,
छूट जाता है
औरत,
प्रेम में
उम्मीद हो जाने से डरती है,
और धर देती है पाँव
स्वप्नों की यात्राओं पर
पाकर गरल
पवित्र संभावनाओं के विरुद्ध
वह
आकाश हो जाती है
औरत,
प्रेम से भरकर अदिति
धरा हो जाती है,
और प्रेम से खाली होकर
बुद्ध

----- अदिति शर्मा

भाषा

नवजात की क्रिया का पहला अलंकार है भाषा
जिह्वा का श्रृंगार है भाषा ।
संचार का प्रमुख माध्यम,
वाणी का अलंकार है भाषा।

भाषा मात्र बोली नहीं,
सहानुभूति का उद्गार है
जीवन के बदलते ढंग में

भावनाओं का विस्तार है
बोली अनेक, भाव एक
शब्दों का भंडार है ।
जिसने समूचे विश्व को जोड़ा
भाषा वह सेतु व् द्वार है।
संकेत इसके मूल हैं
बोलियाँ आधार हैं ।
पीढ़ी दर पीढ़ी संरक्षित
पीढ़ी का पीढ़ी को उपहार है ।
श्रवण हो या वाक, चाहे हो लेखन या भाषण
व्याप्त इसमें शब्दावली इन सबकी आधार है ।
कवि का अभिमान है भाषा
लेखक का ज्ञान है भाषा ।
जिसने जन-जन को जोड़ा
कलम स्याही का सम्मान है भाषा ।
पंक्तियाँ हों या हो कवितायेँ
कवि के कोष का है निर्माण
न कोई भाषा तुच्छ है,
न कोई है महान।
सभी भाषाएँ जुड़ी है व्यक्ति से
और व्यक्ति की है पहचान
यह सत्य है इससे न रहो अंजान,
इसी से होगा जनकल्याण ।

-----विवेक शर्मा
हिंदी विभाग जम्मू विश्वविद्यालय

नई शुरुवात

पकड़ कलम आज तू
कहानी अब एक नई लिख
लिख सपने कुछ नए से
कुछ उम्मीदें तू नई लिख
चलता चल अपने रास्ते पर
कहीं भी अब रुकना मत
जीना है अब सर उठाकर
कहीं भी अब झुकना मत
भूल पुरानी यादों को ।
यादें अब तू नई लिख
तोड़ दे सारी कसमें झूठी
वादे अब तू खुद से लिख
छोड़ हाथ तन्हाईयों का
वक़्त जाया अब करना मत
कर सामना हर मुश्किल का
पल-पल अब डरना मत।

भूल पुरानी बातों को
बातें अब तू नई लिख
हाथ थाम लो...जिंदगी का
मुलाकातें अब तू नई लिख
----- सिमरन

कुछ कर जाने का जुनून

माना कि मुश्किलें है सफ़र में
पर कदम हमारे नहीं
रास्ता भले हो काँटों भरा
पर राह से लौटकर वापिस आयेंगें नहीं
हजारों बार गिराया तूने ऐ जिंदगी
पर जिद है हमारी बिना कुछ किए
इस दुनिया से अब जायेंगें नहीं
जुनून भरा है इस दिल में अब
दोबारा सपनों का गला घोंट पायेंगें नहीं
एक सपने के टूट जाने से
थक हारकर कहीं बैठ जायेंगें नहीं
उठ तू कर हिम्मत रख हौंसला
क्योंकि यह जिद है हमारी बिना कुछ किये
इस दुनिया से अब जायेंगें नहीं
होगी शुरुआत अब जिंदगी की नए सिरे से
फिर से पुरानी गलतियाँ दोहराएंगें नहीं
ठान लिया है अब आगे बढ़ना
बीते कल को याद कर रो पायेंगें नहीं
ऐ जिंदगी तुझे क्या लगा हम तुझसे हार जायेगें
इतने कमजोर हम भी नहीं
सामना करेंगे हर मुश्किल का क्योंकि
यह जिद है हमारी बिना कुछ किए
इस दुनिया से अब जायेंगे नहीं ।

.....सोनिया शर्मा

हिंदी भाषा

सबके मन को भाती है
हर एक को अपना बनाती है संस्कृति
और संस्कारों से भरपूर है हिंदी
हम भारतीयों का गरूर है हिंदी
हिन्द से बना हिन्दुस्तान
हर राज्य में इसका मान सम्मान
भारत माँ की शान है हिंदी
भाषाओं में सबसे महान है हिंदी
हिंदी भाषा को अपनायेंगें
राष्ट्र का मान बढ़ाएगें
भारत की आवाज़ है हिंदी
सब भाषाओं का आधार है हिंदी
आओ मिलकर कसम खाएं
राष्ट्र भाषा हिंदी को अपनाएं

------ममता

भाषा मेरी है अनमोल

भाषा मेरी है अनमोल
बड़े ही मीठे हैं इसके बोल
भाषा मेरी है सीधी सादी
लिखूं इसे तो कहीं मात्रा और
कहीं आती है बिंदी
लगती है मुझे अपनी भाषा बहुत
ही प्यारीदूसरी भाषाओं से भी
है इसकी यारी पर रहने लगी है
मेरी भाषा उदासजब से अंग्रेजी
को बनाया है बहुत ही ख़ास
कहती है हिंदी मुझे अंग्रेजी से मुझे
कोई ऐतराज़ नहीं पर लगता है
तुम्हें मुझ पर नाज नहीं
दो मुझे मेरे हिस्से का सम्मान
आखिर मुझसे ही तो बना है हिंदुस्तान

----मिलन

हिंदी भाषा

हमारी प्यारी भाषा
हिंदी हमारे देश की भाषा
हिंदी में हम हँसते हैं हिंदी में हम गाते हैं
सबसे सरल हमारी प्यारी हिंदी भाषा
हर भारतवासी के दिल की भाषा सबको एकत्रित रखना है इसका काम
इसलिए गाते हैं हम हिंदी में राष्ट्रगान
क्यों समझते है इंग्लिश बोलने वाले को महान
भूल गये क्या इंग्लिश ने ही छीना है हिंदी का मान
क्यों करते हो हिंदी बोलने वाले का अपमान
और इंग्लिश बोलने वाले को शत-शत प्रणाम
हमें हिंदी को आगे बढ़ाना है / जगाना है
यह है प्यारी भाषा इसे हमने ऊँचा दर्ज़ा दिलाना है
केवल भारत में ही नहीं हिंदी को हमने सारे विश्व में प्यार दिलाना है
सुनो अपने मन की बात हिंदी को करे दिल से प्यार
हम सब ने अपना फर्ज निभाना है
हिंदी भाषा को सबको सीखना है
हिंदी को सम्मान दिलाना है
केवल एक दिन नहीं
हमें रोज हिंदी दिवस मनाना है ।